

उपनाम :- अहिच्छत्रपुर, चौहानों की प्रथम राजधानी, राजस्थान का धातु नगर, औजार नगरी।

- नागौर जिले के परबतसर में वीरतेजाजी पशुमैला भरता है। यह आमदनी के हिसाब से राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा मैला है।
- राज्. में पहली बार रेल बस सेवा नागौर में (23 मई 1934)
- नागौर जिले में बड़े पीर की दरगाह स्थित है।
- राज्य में सर्वाधिक पशु मैला का आयोजन नागौर में।
- राज्य में सर्वाधिक स्थापित फलों का उत्पादन।
- नागौर जिले के ताऊसर की खुशबूदार मैथी राज्य में अनोखी है।
- नागौर में राजस्थान सरकार द्वारा सौडियम सल्फेट बनाने का सबसे बड़ा संयंत्र है।
- राज्. में सर्वाधिक सफेद सीमेंट (गोड) नागौर में।
- राज्य में सर्वाधिक संगमरमर (सफेद) नागौर में।
- राज्. में सर्वाधिक जिप्सम (गोड मांगलोक) नामक व टॉस्टर नागौर जिले में उत्पादित होता है।
- राज्. में सर्वाधिक पौधे (उर्वरक) नागौर में।
- मेड़ता, नागौर में मीराबाई का मंदिर व चारभुजा मंदिर है।
- राज्. में सर्वप्रथम पंचायती राज की शुरुआत 2 अक्टूबर 1954 को नागौर में हुई थी।
- पंचायती राज का शुभारम्भ 2 अक्टूबर 1954 को पीतल जवाहर लाल नेहरू ने किया।
- राज्य में सर्वाधिक भूग नागौर जिले में।
- तेजाजी का सुप्रसिद्ध घाम सुरसरा नागौर में।
- छवि कार्य के लिये नागौरी नस्ल के बैल सर्वश्रेष्ठ माने जाते हैं।
- बलदेव पशु मैला, मेड़ता सिटी (नागौर) में लगता है।
- रामदेव पशु मैला, मानसर (नागौर) में।
- पंचायती माता का मंदिर नागौर के गोड मांगलोक नामक गाँव में स्थित है।

वीर कल्ला जी :-

→ वीर कल्ला जी चार हाथों वाले देवता बड़ीस नाग का अवतार
रखा जाता है।

→ वीर कल्ला जी की बुआ भक्तिमती मीराबाई थी।

→ चित्तौड़ के तीसरे साके में अकबर के विक्रम अदम्य साहस
लड़ते हुए ये वीरगति को प्राप्त हुए।

→ सूफ़ी संत हमीदुद्दीन सुलताने तारखीन की दरगाह नागौर में है।

→ हमीदुद्दीन नागौरी को संन्यासियों का सुलतान भी कह
वड़े पीर की दरगाह :-

→ यह दरगाह भारत में कादरिया सम्प्रदाय की सबसे बड़ी
मानी जाती है।

→ मौलाना मोहिनूद्दीन अब्दुल मन्दिर जालानी (बड़े पीर)
की दरगाह बगदाद में, जो विश्व की सबसे बड़ी दरगाह
मानी जाती है।

→ नागौर जिले के खींवर में राजस्थान की निजी ट्रैक्टर की सब
सौर ऊर्जा परियोजना रिलायन्स ग्रुप द्वारा स्थापित की गयी।

→ कुवापन का किला नागौर में स्थित है।

→ डीवाना झील नागौर में है।

→ नागौर में अमरसिंह राठौर की 16 खम्बों की छत्रद्वारा स्थित है।

चारभुजा मंदिर / मीराबाई का मंदिर :-

→ नागौर जिले के मेड़ता सिटी में मीराबाई का प्रसिद्ध चारभुजा
मंदिर है।

→ इस मंदिर का निर्माण मीराबाई के पितामह राव दूदाने ने करा।

→ मालकोटा का किला नागौर में।

→ नागौर जिले के लाडनू में डी.डी. विश्वविद्यालय जैन विश्व भारती

भक्त स्वामिनी करमाबाई नागौर जिले की थी।

→ नागौर के पीपासर नामक स्थान को संत जाम्भोजी की जन्म

के रूप में जाना जाता है।

www.resultuniraj.co.in